# सजग

त्रैमासिक समाचार पत्र अंक-XV अप्रैल 2012
निःशुल्क वितरण हेतु


## दो दिवसीय कार्यशाला : (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में दिनांक 13 अप्रैल से 14 अप्रैल 2012 तक विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश में उर्जा की खपत को सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाने की दिशा में विद्युत वितरण व्यवस्था पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने बताया कि "वाइड एरिया मॉनीटरिंग एवं कंट्रोल सिस्टम" के तहत फेजर मेजरमेंट यूनिट को विशेष रूप से चिह्नित स्थानों में लगाकर ब्लैक आउट की जानकारी पहले ही प्राप्त की जा सकती है।

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर संजय गो. धांडे एवं केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक श्री एन मुरुगेशन ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। संस्थान के उपनिदेशक एवं विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक सैकत चक्रवर्ती के सफल मार्गदर्शन में उक्त कार्यशाला संपन्न हुई।

## संस्थान अभिलेखागार की स्थापना :

संस्थान के संकाय भवन के कक्ष सं 330,331 तथा 332 में अभिलेखागार की स्थापना की गई है। अभिलेखागार की स्थापना का उद्देश्य संस्थान से संबंधित पुराने एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुरक्षित रखना है। ज्ञात हो कि इस सुविधा के अस्तित्व में आने से पूर्व; संस्थान के सभी विभाग, अनुभाग तथा इकाईयाँ अपने-अपने अभिलेखों का रख-रखाव स्वयं करते थे किन्तु अभिलेखागार के अस्तित्व में आने के बाद केन्द्रीय सुविधा की व्यवस्था के अंतर्गत अब सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों को संस्थान-अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाएगा। सुश्री नीलम प्रसाद, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष को उक्त अभिलेखागार के प्रभारी-अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है जबकि प्रो. अशोक कुमार मित्तल इसके संकाय सलाहकार होंगे।

## कार्यशाला : (फेज़-चेंज थर्मल सिस्टम्स)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 19 मार्च 2012 से 20 मार्च 2012 तक संस्थान में 'फेज़-चेंज थर्मल सिस्ट्म' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विषयों पर अनुसंधान करने वाले अध्येताओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के अनुभवों से एक मंच से रूबरू कराना था। कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय लब्धप्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने अपने-अपने व्याख्यान दिये।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के लिए अलग से पोस्टर सेशन का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ.समीर खांडेकर,भा.प्रौ.सं कानपुर तथा डॉ. पवन शर्मा, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मुंबई ने समन्वयक की भूमिका निभाई।

## आगामी कार्यक्रम : 44 वाँ दीक्षान्त समारोह - 2012

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में आगामी 02 जून 2012, दिन शनिवार को 44 वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जाएगा ।

"मेट्रोमैन" के उपनाम से विख्यात पद्म विभूषण **श्री ई श्रीधरन** इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे । सर्वविदित है कि श्री ई श्रीधरन ने अत्यन्त चुनौतीपूर्ण दिल्ली मैट्रो के निर्माण कार्य को किसी सपने की तरह बेहद कुशलता एवं श्रेष्ठता के साथ कर दिखाया है।

भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन, संस्थान स्थित प्रेक्षागृह (ऑडीटोरियम) में किया जाएगा; जहाँ संस्थान के लगभग 1050 विद्यार्थियों को बी टेक, एम टेक, पीएचडी, एमएससी तथा एमबीए की उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर देश तथा कानपुर शहर के प्रमुख शिक्षाविदों, समाज-सेवियों एवं छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को आमंत्रित किया जाएगा ।

## नियुक्ति :

संस्थान की कुलाध्यक्ष एवं भारत की महामहिम राष्ट्रपति ने **प्रो. एम आनन्द कृष्णन** को संस्थान के संचालक मण्डल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रो. कृष्णन का सेवाकाल 12.06.2012 से तीन वर्ष के लिए होगा ।

## नव-नियुक्त विभागाध्यक्ष :

✍**प्रो. अनीश उपाध्याय,**पदार्थ विज्ञान अग्रिम केन्द्र (एसीएमएस)

✍**प्रो. अविनाश सिंह,** भौतिकी विभाग

## संस्थान के नव-नियुक्त संकाय सदस्य :

✍**डॉ.श्रीवनामल्ला** : सहा. प्राध्यापक (औद्यो.प्रबंधन अभि. विभाग)

✍**डॉ. राकेश कुमार** : सहा. प्राध्यापक (वांतरिक्ष अभि. विभाग)

✍**डॉ. आशीष कुमार पात्रा** : सहा. प्राध्यापक (रसायन विभाग)

## नव-नियुक्त कर्मचारी :

**श्री प्रवीन कुमार शर्मा**, कनि.तक.(वांतरिक्ष अभि.)

**श्री राहुल कुमार**, कनि.तक.(सिविल अभियांत्रिकी)

**श्री ज्ञानेन्द्र सिंह**, कनि.तक. (एमएसई)

**श्री सत्यप्रकाश साहू**, कनि.तक. (विद्युत अभि.)

**सुश्री अरुशि चौधरी**, (बीएसबीई)

**श्रीमती संगीता सिंह**, (विद्युत अभियांत्रिकी)

**श्री भारत सोमाईया**, (संगणक केन्द्र)

**श्री शशि कपूर प्रजापति**, (एचएसएस)

**श्री सुनील कुमार**, (विद्युत अभियांत्रिकी)

**श्री रजत कटियार**, (संगणक केन्द्र)

**श्री सर्वेश कुमार**, (गणित)

श्री प्रवीन कुमार शर्मा

श्री राहुल कुमार

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह

श्री सत्यप्रकाश साहू

सुश्री अरुशि चौधरी

श्रीमती संगीता सिंह

श्री भारत सोमाईया श्री शशिकपूर प्रजापति श्री सुनील कुमार श्री रजत कटियार श्री सर्वेश कुमार

भारत अपने मूल स्वरूप में कर्मभूमि है, भोग भूमि नहीं।
महात्मा गाँधी

## नव-नियुक्त सहायक कुलसचिव :

**श्री आर आर दोहरे** - संपदा कार्यालय

**श्री जगदीश सारंगी** - लेखा अनुभाग

**श्री पी डी आनन्द** - स्वास्थ्य केन्द्र

**श्री सुजय गुप्ता** - लेखा अनुभाग

**श्री मनोज कुमार** - प्रशासन अनुभाग

**श्री अनिल गोनाडे** - भर्ती अनुभाग

## सेवानिवृत्ति :

✍**प्रो. पी के बसुधर** - प्राध्यापक (सिविल अभि.)

✍**प्रो. बिनायक रथ** - प्राध्यापक (मानविकी एवं सामा.विज्ञान)

✍**श्री राधेश्याम प्रसाद** - अटेन्डेंट (हॉल 8)

✍**श्री रामशंकर निगम** - तक. अधीक्षक (भौतिकी विभाग)

✍**श्री मुरलीधर** - अटेन्डेंट (भौतिकी विभाग)

✍**श्री आर एस शर्मा** - वरिष्ठ प्रयोगशाला सहा. (एसीएमएस)

✍**श्री रामसिंह** - क्लीनर (स्वच्छता इकाई)

✍**श्री प्रशांतो दास** - अधीक्षक (प्रशासन अनुभाग)

✍**श्री छोटेलाल** - हेल्पर (उद्यान इकाई)

✍**श्रीमती मालिनी सिन्हा** - शिक्षिका ग्रेड 1 (कैम्पस स्कूल)

## श्रद्धांजलि :

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के कुलसचिव **श्री संजीव एस कशालकर** का दिनांक 08.3.2012 को गुड़गाँव के मेदांता अस्पताल में उपचार के दौरान आकस्मिक निधन हो गया।

श्री कशालकर को हृदय रोग के चलते उक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्व. श्री कशालकर 11 नवम्बर 2005 को संस्थान में कुलसचिव के पद पर नियुक्त हुए थे। स्व. कशालकर ने कुछ माह पूर्व भारत सरकार के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के तौर पर जापान, सं रा अमेरिका तथा जर्मनी का दौरा किया था। स्व. कशालकर मृदुभाषी थे एवं उनका व्यक्तित्व विनम्रता से परिपूर्ण था। उन्होंने कुलसचिव के रूप में संस्थान में बड़ी तन्मयता एवं लगन से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। उनके निधन पर संस्थान के प्रत्येक सदस्य ने गहरा दुःख प्रकट किया एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की ।

## स्वामी विवेकानन्द युवा संगोष्ठी : 2012

"उठो, जागो और तब तक रूको नहीं जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाये"- स्वामी विवेकानन्द

महान संत स्वामी विवेकानन्द की 150 वीं जन्म शती के अवसर पर विवेकानन्द समिति, भा.प्रौ.सं कानपुर ने दिनांक 14 जनवरी, 2012 से 15 जनवरी, 2012 तक युवा संगोष्ठी का आयोजन किया। इस दो दिवसीय युवा संगोष्ठी में विवेकानन्द जी के जीवन-दर्शन की झलकियाँ प्रस्तुत करने वाले व्याख्यानों तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। युवा-जागरूकता, अभिव्यक्ति-कौशल का विकास, समय-प्रबंधन एवं जीवन में लक्ष्यों की स्थापना जैसे विषयों पर अतिथि वक्ताओं ने अपने-अपने व्याख्यान दिये। इस दौरान सामाजिक सेवा के अंतर्गत संस्थान परिसर के अंदर तथा उससे बाहर रहने वाले गरीब बच्चों के लिए चिकित्सा-जाँच-शिविर का भी आयोजन किया गया।

## परिचय : लेसर तकनीकी केन्द्र

वैज्ञानिक युग के संदर्भ में मानव की आवश्यकताओं को देखते हुए लेसर किरणों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। आज के युग में इन लेसर किरणों को समाजोपयोगी बनाने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखकर सन् 1988 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में लेसर तकनीकी केन्द्र की स्थापना की गई। संस्थान में लेसर तकनीकी कार्यक्रम के अंतर्गत एम-टेक पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है; जहाँ विद्यार्थियों को लेसर क्वांटम ऑप्टिक कम्यूनिकेशन व नेटवर्क एवं स्वीचिंग, हॉलोग्रॉफी, मैटेरियल प्रोसेसिंग, मैटेरियल्स एवं बॉयोमेडिकल स्पैक्ट्रोस्कॉपी, फ्लो-टेंपरेचर एवं स्ट्रैस एनॉलिसिस, ऑप्टीकल सिग्नल प्रोसेसिंग तथा कम्प्यूटिंग एवं ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक इंटीग्रेशन का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है। संस्थान के विभिन्न अभियांत्रिकी एवं अंतर-विषयक पाठ्यक्रमों में चल रहे लेसर से संबंधित अनुसंधान कार्यों के लिए लेसर तकनीकी केन्द्र एक नोडल सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान में लेसर तकनीकी केन्द्र के अंतर्गत अनुसंधान कार्यों को संपन्न कराने के लिए निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं-

- **बॉयोमेडिकल एंड ऑप्टिक्स स्पैक्ट्रोस्कॉपी प्रयोगशाला**
- **मॉइक्रो फ्लोडिक एंड सेन्सर्स प्रयोगशाला**
- **अल्ट्रॉफॉस्ट लेसर प्रयोगशाला**
- **क्रिस्टॉलॉईन फॉईबर बेस्ड फॉटोनिक डिवॉइसेस**
- **ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड नैनो फैब्रिकेशन प्रयोगशाला**

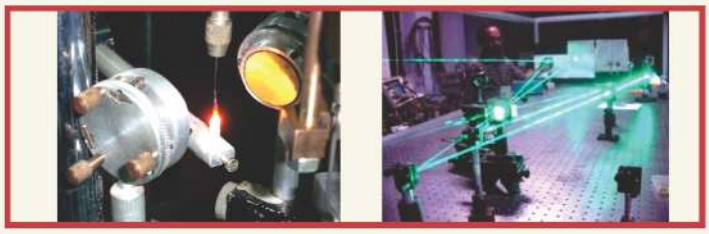

## राजभाषा नीति :

भारतीय संविधान में हिन्दी को संघ की राजभाषा, केन्द्र तथा राज्यों की संपर्क भाषा और राज्यों के बीच परस्पर पत्र-व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। भारत की सामासिक संस्कृति को देखते हुए सरकार ने पूरे भारत को प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से निम्नलिखित तीन भाषिक क्षेत्रों में बाँटा है :

**'क' क्षेत्रः** पूर्णतः हिन्दी भाषी क्षेत्र; जिनमें बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा दिल्ली संघ राज्य शामिल हैं।

**'ख' क्षेत्र** : वे अहिन्दी भाषी राज्य जिन्होंने प्रशासकीय पत्र-व्यवहार की भाषा के रूप में हिन्दी को स्वीकार कर लिया है जिनमेंः गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब तथा चण्डीगढ़, दमन एवं दीव, दादरा और नगर हवेली संघ राज्य शामिल हैं।

**'ग' क्षेत्र** : अन्य सभी राज्य जो उपर्युक्त दोनों क्षेत्रों में शामिल नहीं हैं।

## पुष्प प्रदर्शनी : 2012

संस्थान के उद्यान अनुभाग द्वारा दिनांक 4 एवं 5 फरवरी 2012 को पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इस प्रदर्शनी के अंतर्गत पुष्प साज-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसे दो वर्गों में बांटा गया ।

कैंपस वासी वर्ग में **प्रथम स्थान डी नलिनी, दूसरा स्थान डॉ नंदिनी** एवं **तीसरा स्थान डॉ आर चन्द्रा** को मिला है । वहीं एक अन्य वर्ग में **प्रथम स्थान हाल - 9, दूसरा स्थान अतिथि गृह एवं तीसरा स्थान हाल - 6** को मिला है । कैंपस में पर्यावरण-संरक्षण और प्राकृतिक सौन्दर्य को बढ़ावा देने के लिए उद्यान अनुभाग द्वारा पुष्प-प्रदर्शनी का आयोजन प्रत्येक वर्ष बड़े उल्लास के साथ किया जाता है ।

## शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार : 2011

संस्थान में अध्ययनरत बी-टेक, एम-टेक छात्र-छात्राओं को, उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर, साल 2011 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्थान में आयोजित एक समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. संजय गो.धांडे, अधिष्ठाता (विद्यार्थी-कार्य) प्रो. अजय कांति घोष तथा परामर्शदात्री समिति के प्रमुख प्रो.ए हरीश के कर कमलों द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये। शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थी निम्नलिखित हैं-

कु.पर्णिका अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, पूनम केसरवानी, सोमिल बंसल, आयुष राय, महेन्द्र कुमार मंगल, सौरभ वर्मा, तरुन कुमार बर्नवाल, अंकित कुमार, आशिष गुप्ता, प्रतीक मयूर, कृति आहूजा, संध्या कुमारी, बिदेश नंदी, गगनप्रीत सिंह, शेफाली गर्ग तथा रिनी गांगुली।

## वेतन-निर्धारण (असेसमेंट):

एम.ए.सी.पी योजना के तहत असेसमेंट पाने वाले कर्मचारी हैं-

श्री के चन्द्रशेखर, श्री मो.मोहसीन, श्रीमती शिवप्यारी, श्री बचऊराम, श्री जे एस रावत, श्री जावर सिंह, श्री आर पी मिश्रा, श्री राकेश कुमार, श्री अमन सिंह, श्री सी एस गोस्वामी, श्रीमती सरोज, श्री बी एस आर गनवीर, श्रीमती कंचन कुमारी, श्री देवदत्त पाल, श्रीमती प्रमिला देवी, श्री सुभाष अंबेडकर, श्री एच पी शर्मा, श्री ए के झा, श्री आर पी सिंह, श्री नारायण, श्रीमती सरला, श्री एच बी सिंह चंदेल एवं श्री आनन्द सिंह।

## 19वाँ इंडस्ट्रियल क्रिकेट टूर्नामेंट : 2012

स्टॉफ जिमखाना, भा.प्रौ.सं कानपुर के तत्वावधान में इंडस्ट्रियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2012 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का परिचय दिया। लीग-कम-नॉक ऑउट आधार पर खेली गई इस प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में हॉल-4 की टीम ने फैकल्टी क्लब को पराजित करके फाइनल में स्थान बनाया; वहीं दूसरे सेमीफाइनल में कैंपस क्लब ने स्टॉफ 'ए' टीम को पराजित किया। रोमांच से भरे फाइनल मैच में कैंपस क्लब ने हॉल-4 को पराजित करते हुए विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। कैम्पस क्लब के कप्तान श्री मुकेश कनौजिया को मैन ऑफ दी सीरीज के लिए चुना गया।

पुरस्कार एवं समापन समारोह में अतिथियों के रूप में प्रो.नीरज मिश्रा, प्रो शनमुगराज, प्रो.सी एस उपाध्याय, डॉ अनुपम सक्सेना एवं श्री ए के मिश्रा, उपकुलसचिव ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। 19वाँ इंडस्ट्रियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2012 के आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सचिव श्री राजेन्द्र कनौजिया, स्टॉफ जिमखाना के अध्यक्ष डॉ. निहार रंजन पात्रा, सचिव श्री वी एन मिश्रा ने अपना भरपूर योगदान दिया।

## कार्यशाला

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में दिनांक 21 अप्रैल 2012 को कॉन्ट्रेक्ट लेबर विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री एस एन सिंह, पूर्व अपर निदेशक, आईएसटीएम नई दिल्ली इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता रहे । इस कार्यशाला के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य ऑउट्सोर्सिंग के माध्यम से कांट्रैक्ट लेबर से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजना था । भिन्न- भिन्न संस्थानों से आए प्रतिनिधियों ने कांट्रैक्ट लेबर में आनी वाली समस्याओं जैसे अनुबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी, वेतन भुगतान, फण्ड, सुरक्षा आदि को लेकर चर्चा करके समाधान प्राप्त किए । निश्चित रूप से इस कार्यशाला के आयोजन से अनुबंधित कर्मचारियों के मामलों में आने वाली विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान खोजने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर वी चन्द्रशेखर जबकि संचालन कार्यवाहक कुलसचिव श्री आर के सचान ने किया ।

### सूचना

ऑफिस ऑटोमेशन के निर्देशन में आईडी सेल संस्थान के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए नये पहचान पत्र बनाने जा रहा है। नया पहचान पत्र बनवाने के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारी किसी भी कार्य-दिवस में प्रातः 9.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक आईडी सेल (संगणक केन्द्र) में संपर्क कर सकते हैं। नये पहचान-पत्र के जारी होने पर पुराना पहचान-पत्र जमा करना होगा। पुराने पहचान-पत्र के गुम होने अथवा खराब होने की स्थिति में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नया पहचान-पत्र बनवाने के लिए रु.100 (सौ रु.मात्र) जमा करने होंगे।

## अध्ययन-गोष्ठी : हाई परफारमेंस कम्प्यूटिंग एप्लीकेशन (एच.पी.सी.)

हाई परफारमेंस कम्प्यूटिंग एप्लीकेशन के विकास की संभावनाओं पर अलग- अलग सुझावों को एक मंच से व्यक्त करने के उद्देश्य से भा. प्रौ. सं कानपुर में मार्च 2012 के दौरान तीन दिवसीय अध्ययन-गोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अध्ययन-गोष्ठी में प्रगत संगणन विकास केन्द्र (सीडैक) पुणे के महानिदेशक तथा भा. प्रौ. सं कानपुर के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में पदस्थ प्रोफेसर रजत मूना ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एच.पी.सी. के प्रयोग की संभावनाओं को खोजने का प्रयास किया जा रहा है। उनके अनुसार देश में एच.पी.सी. के विकास के लिए प्रमुख रूप से तीन बिन्दुओं पर विचार करने की आवश्यकता है - (1) एच.पी.सी. से होने वाले लाभ को देखते हुए सॉफ्टवेयर बनाना (2) एच.पी.सी. एप्लीकेशन को सुदृढ़ करने के लिए सुपर कम्प्यूटर बनाना तथा (3) एच.पी.सी. से संबद्ध शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को अद्यतन करना एवं इस क्षेत्र में शोध को प्रोत्साहन देना। भा.प्रौ.सं कानपुर के निदेशक प्रो.संजय गो. धांडे ने उक्त अध्ययन-गोष्ठी का उद्घाटन किया। देश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के कंम्प्यूटर विशेषज्ञों ने इस संगोष्ठी में भाग लेकर अपने-अपने विचार रखे।

### संत-वाणी

धर्मेण हन्यते व्याधिदर्मेण हन्यते ग्रहः।
धर्मेण हन्यते शत्रुर्यतो धर्मस्ततो जयः।।

धर्म से रोग नष्ट होते हैं, धर्म से ग्रहों की पीड़ा दूर होती है, धर्म से शत्रुओं का नाश होता है। जहाँ धर्म होता है वहाँ विजय होती है।
(महाभारत)

संरक्षक
**प्रोफेसर संजय गो. धांडे**
निदेशक

परामर्शदाता
**प्रोफेसर** सुरेश चन्द्र **श्रीवास्तव**
उप निदेशक

संपादक
**डॉ वेदप्रकाश सिंह**
सहा.कुलसचिव, अ.वि.का.
एवं संपर्क अधिकारी (हिन्दी)
दूरभाष 2597249
ईमेल vedps@iitk.ac.in

अभिकल्प
**सुनीता सिंह**
राजभाषा प्रकोष्ठ
दूरभाष 2597122
ईमेल sunitas@iitk.ac.in

आलेख
**जगदीश प्रसाद**
**भारत देशमुख**
दूरभाष 2597122
ईमेल jagdish, bbhushan

छायाचित्र
**रवि शुक्ल**
प्रशासन अनुभाग
दूरभाष 2596199
ईमेल rsshukla